



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

*Handwritten signature*

सं. 24]

No. 24]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 31, 1995/माघ 11, 1916

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 31, 1995/MAGHA 11, 1916

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1995

प्रारम्भिक निष्कर्ष

विषय : चीन जनवादी गणराज्य मूल के थियोफाईलिन तथा कैफीन के आयातों में संबंधित एंटी-डॉपिंग जांच प्रारंभिक निष्कर्ष

सं. एच डी/24/94-95 :—(ख) भारत सरकार.—  
“1982 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का निर्धारण, मूल्यांकन तथा संग्रहण और क्षति का निर्धारण करने के लिए) नियम, 1985 से सम्बन्धित है।

ग. क्रियाविधि.—(1) उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत पदनामित प्राधिकारी को निम्नलिखित धरेलू उत्पादकों में लिखित शिकायत प्राप्त हुई है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य मूल के थियोफाईलिन तथा कैफीन की डॉपिंग के बारे में आरोप लगाया है :—

(क) मैसर्स बकूल एरोमेटिक्स एंड कैमिकल्स लिमि.,  
सेक्टर, चौथी मंजिल,

16/2, डा. ऐनी बेसेंट रोड,  
वर्ली, बम्बई-400018

(ख) मैसर्स कोरस (इंडिया) लिमि.,  
कोरस हाउस, प्लॉट नं. 10  
कार्यालय डा. ई. मोमेज रोड,  
वर्ली, बम्बई-4000018

(ग) मैसर्स मुबन फार्मास्यूटिकल्स प्रा. लिमि.,  
नाटको हाउस, हाउस नं. 8-2-120/112/ए/132  
रोड नं.-3 बंजारा हिल्स, हैदराबाद-500034

(ii) जबकि पदनामित प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य से भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची -1 के कोड 2939300 के अंतर्गत आने वाली कैफीन तथा कोड 293950 के अंतर्गत आने वाले थियोफाईलिन के आयातों के बारे में एंटी डॉपिंग कार्रवाई शुरू करने के संबंध में दिनांक 30-8-1994 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी जो दिनांक 12-9-1994 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई।

याचिकावाता ने कहा है कि थियोफाईलिन का आयात सीमाशुल्क कोड नं. 2939.00, 2950.00, 2942.00 तथा 2933.59 के अंतर्गत भी किया गया है और कैफीन

का आयात सीमाशुल्क कोड 2934.00 के अंतर्गत भी किया गया है।

(iii) जबकि पदनामित प्राधिकारी ने संबंधित माने गए नियंतकों तथा आयातकों, निर्यातक देश प्रतिनिधियों, शिकायतकर्तओं को उक्त शुरुआत के बारे में सूचित किया और उनको लिखित रूप में अपने विचार बताने का और अधिक से अधिक 30 सितंबर, 1994 तक, मौखिक रूप में सुनवाई के लिए अनुरोध करने का अवसर प्रदान किया। प्रश्नावली का उत्तर देने की अंतिम तारीख को एक तरफ 15 अक्टूबर, 1994 तक बढ़ा दिया गया।

(iv) जबकि पदनामित प्राधिकारी ने निम्नलिखित निर्यातकों से अपेक्षित सूचना प्राप्त करने के लिए प्रश्नावली भेजी थी:—

1. मै. वूहान मैडिसिन्स एण्ड हेल्थ प्रोडक्ट्स, चीन
2. म. हूनान प्रोबिन्सियल मैडिसिन्स, चीन
3. मै. टीयानजिन मैडिसिन्स एण्ड हेल्थ प्रोडक्ट्स, चीन
4. मै. ज्यांग्मू मैडिसिन्स एण्ड हेल्थ, चीन
5. मै. शंघाई कैमिकल्स ईम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स, कारपोरेशन, चीन
6. चायना नेशनल कैमिकल्स ईम्पोर्ट / एक्सपोर्ट कारपोरेशन, चीन
7. ओहंगाओ नेशनल कैमिकल्स मैडिसिन्स एण्ड हेल्थ प्रोडक्ट्स ईम्पोर्टर्स।

(v) जबकि चीन जनवादी गणराज्य के नई दिल्ली स्थित दूतावास को भी उक्त शुरुआत के बारे में सूचित गया और उनसे अनुरोध किया गया कि वे चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों/आयातकों को सलाह दें कि वे प्रश्नावली को भर कर 10 अक्टूबर 1994 तक भेज दें। चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास की मांग पर तीन भारतीय याचिकादाताओं, चीनी निर्यातकों और भारतीय एटी डीएमिंग कानूनों तथा क्रियाविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी भी, उनको उपलब्ध कराई गई निर्यातकों ने न तो प्रश्नावली का ही उत्तर दिया और न ही 2 दिसम्बर, 1994 को हुई सुनवाई में भाग लिया।

(vi) जबकि थियोफाईलिन और/या कैफीन के निम्नलिखित आयातकों को भी प्रश्नावली भेजी गई:—

1. सेवी फार्मा, नानी दमन।
2. बजोज फार्मास्यूटिकल्स, थाणे।
3. मेहता फार्मास्यूटिकल्स, इंडस्ट्रीज।
4. क्रस्टल फार्मास्यूटिकल्स, कलकत्ता।
5. पंचशील इंटरनेशनल, बम्बई।
6. मालवी कैमिकल्स इंडस्ट्रीज, बम्बई।
7. नेशनल पोलिमर, बम्बई।
8. एफ. सी. डी. लिमिटेड, बम्बई।
9. निकल्स पीरामल (इंडिया लि.), बम्बई।
10. क्रिस्टल फार्मा, बम्बई।

11. आनन्द मिथोवेस प्रा. लि., बम्बई।
12. दिलीप कुमार एंड कंपनी, बम्बई।
13. वकुल एरोमेटिक्स एंड कैमिकल्स लिम., बम्बई।
14. मैसर्स एम के एज, बम्बई।

(vii) जबकि निर्यातको, आयातकों तथा याचिकादाताओं को भी 2 दिसम्बर 1994 को हुई सुनवाई में अपने विचार प्रकट करने का अवसर दिया। गया उक्त ग्राम सुनवाई में केवल याचिकादाताओं के प्रतिनिधियों ने ही भाग लिया। निर्यातकों/आयातकों में से किसी ने भी ग्राम सुनवाई में भाग नहीं लिया।

2. याचिकादाता ने इस बात का उल्लेख किया कि:—

(क) निर्यातक/निर्यातक देश अर्थात् चीन जनवादी गणराज्य का कोई भी प्रतिनिधि सुनवाई में उपस्थित नहीं था, न ही उन्होंने प्रश्नावली को भरकर भेजा इसलिए पदनामित प्राधिकारी को याचिकादाताओं द्वारा दिए गए तथ्यों/आंकड़ों के आधार पर कार्य करना पड़ा।

(ख) आयातक/उपभोक्ता उद्योग के किसी भी प्रतिनिधि ने ग्राम सुनवाई में भाग नहीं लिया। लिखित में मिले दो अभ्यावेदन केवल थियोफाईलिन के लिए थे और वे मुख्यतः व्यापारियों से मिले थे, जो न तो विनिर्माता के हित में सम्बन्धित थे और न ही वास्तविक उपभोक्ता के, अतः पदनामित प्राधिकारी ने उनके विचारों पर कोई ध्यान नहीं दिया।

(ग) चीन जनवादी गणराज्य में मसले थियोफाईलिन, कैफीन का लाभ दवाइयों के वास्तविक उपभोक्ताओं को नहीं मिला क्योंकि इन बल्क औषधियों पर आधारित फार्मूलेशनों की डी पी सी ओ कीमत में कोई कमी नहीं हुई थी और वास्तविक लाभग्राही विचौलिय ही थे।

(घ) चीन जनवादी गणराज्य में थियोफाईलिन तथा कैफीन की निर्यात कीमत कम हो गयी थी और अपने सामान्य मूल्य से कम थीं।

(ङ) आयात प्रतिबंधों को हटाने के फलस्वरूप सामान्य मूल्य से कम पर चीन जनवादी गणराज्य में आयात की बहुलता के कारण दो घरेलू युनिटों अर्थात् मै. टास्कजय फार्मा और मै. येको मैडिको में उत्पादन बंद हो गया तथा याचिकादाता कंपनियों बंद हो गयीं।

(च) कीमतों में पर्याप्त कमी होने के कारण घरेलू याचिकादाता कंपनियों को, अपने क्रियाकलापों को कम करने का बाध्य होना पड़ा जिससे काफी हानियां हुईं।

3. किसी भी आयातक ने न तो जांच शुरू करने के नोटिस के साथ भेजी गई प्रश्नावली में जानकारी प्रदान की और न ही मार्चनिक सुनवाई में भाग लिया। किन्तु, मैसर्स बजोज फार्मोस्यूटिकल्स (बम्बई) लि., बम्बई तथा सेवी फार्मा इग हाउस बम्बई (अन्य दो इच्छुक पार्टियों के विचारों के

य) ने लिखित रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए हैं जो संक्षिप्त रूप में निम्नलिखित हैं:

(क) आयातित थियोफाइलिन की कीमत स्थानीय बाजार की कीमत से कम है और चीन ने थियोफाइलीन, कैफीन तथा अन्य मध्यवर्ती सामान की कीमत केवल एक निश्चित समय के लिए कम की है। ऐसा विदेशी मुद्रा की अत्यधिक आवश्यकता के कारण किया गया है।

(ख) भारतीय विनिर्माता समस्त घरेलू मांग को पूरा नहीं कर सकते हैं और 50 से 60 दिनों का इसका अनिश्चित मरुदगी समय है। ऐसा स्थानीय विनिर्माताओं से सोडियम धातु उपलब्ध न होने और प्रमुख कच्चे माल के समय से आयात न होने की वजह से होता है।

(ग) भारतीय विनिर्माता कोई क्रेडिट सुविधा नहीं दे रहे हैं और डी पी सी ओ कीमतों से अधिक बिग्रेट प्रॉसेसिंग प्रभार लगा रहे हैं जबकि विदेशी आपूर्तिकर्ता तीन महीने की क्रेडिट सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

(घ) यह कि याचिकाकर्ताओं में से एक ने एक आयातक से माल खरीदा है।

(ङ) यह कि स्वदेशी विनिर्माता आई पी क्वालिटी के माल की आपूर्ति कर रहे हैं जबकि निर्यात के उद्देश्यों के लिए बी पी 88 या यूएस पी 22 क्वालिटी की जरूरत होती है।

(च) यह कि डार्ड मिथाइल यूरिया जो कि एक मध्यवर्ती माल है, पर आयात शुल्क 132% से घटाकर 81.2% कर दिया गया है और यह कि थियोफाइलिन पर 122% से घटाकर 82.6% कर दिया गया है।

(छ) पदनामित प्राधिकारी के निष्कर्ष 4. पदनामित प्राधिकारी ने ऊपर बनाई गई दलीलों और जवाबी दलीलों पर विचार किया और संगत रिकार्ड का अध्ययन करने के बाद निष्कर्ष निकाला कि:

(क) पाटनरोधी जांच पड़ताल के दौरान यह देखा गया कि क्या ऐसी कोई डम्पिंग है जिससे स्वदेशी उद्योग को क्षति पहुंच रही है। एक आयातक ने निश्चय पूर्वक कहा कि चीन ने कीमत में कमी इसलिए की क्योंकि उन्हें विदेशी मुद्रा की जरूरत थी। इसके अलावा यह देखा गया कि स्वदेशी संस्थापित क्षमता देश की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त थी। जैसा कि 1993-94 के खपत आंकड़ों से देखा जा सकता है) और यह कथन का कोई प्रभाव नहीं है कि भारतीय विनिर्माता स्वदेशी मांग को पूरा नहीं कर सकते हैं। किसी भी हाल में यह वर्तमान परिस्थिति के लिए संगत नहीं है।

(ख) याचिकाकर्ता ने यह भी बताया है कि कोई भी स्वदेशी विनिर्माता थियोफाइलीन/कैफीन के उत्पादन में सोडियम धातु का प्रयोग नहीं करता है और कुछ याचिकाकर्ता कंपनियां भी डार्ड मिथाइल यूरिया का स्वदेश में ही विनिर्माण

करती हैं। हालांकि यह देखा गया है कि यह तथ्य डम्पिंग और स्वदेशी उद्योग पर इसका प्रभाव स्थापित करने के लिए संगत नहीं है।

(ग) चीन के निर्यातकों द्वारा प्रदत्त श्रृण सुविधा से वास्तव में डम्पिंग की सीमा बढ़ जाएगी क्योंकि क्रेडिट की लागत के फेक्टर गेट पर पहुंचने की कीमत भी घट जाएगी। भारतीय आपूर्तिकर्ताओं द्वारा इस सुविधा को प्रदान न करना डम्पिंग से होनेवाली क्षति को निर्धारित करने के लिए संगत नहीं है।

(घ) किसी याचिकाकर्ता कंपनी द्वारा, ऐसे व्यापारी से, जो कि आयातक हों, थियोफाइलिन की खरीद करने पर याचिकाकर्ता कंपनी नियम सुपरा के अंतर्गत पाटनरोधी राहत की मांग करने के अयोग्य नहीं होती है।

(ङ) याचिकाकर्ता ने बताया है कि भारतीय औपधि अधिनियम में स्थानीय बिजियों के लिए बी पी 88 अथवा यू.एस.पी.-22 जैसी किसी उत्पादन को तब तक बराबर करने की मनाही है जब तक उत्पाद का विनिर्माण भारतीय फार्माकोपिया (आईपी) में है। इसके अलावा, तीनों समान क्वालिटी प्रदान करते हैं और यह कि याचिकाकर्ता स्वयं विकसित देशों को माल निर्यात कर रहे हैं। किन्तु यह पाया गया कि वह उत्पाद जिसका निर्यात किया जाता है और वह जिसका उत्पादन किया जाता है गंटी-डम्पिंग नियम सुपरा के अंतर्गत समान उत्पाद है।

(च) मध्यवर्ती डार्ड मिथाइल यूरिया पर सीमा शुल्क में कमी करने के संबंध में, शुल्क का प्रभाव क्षति के बारे में निर्णय करते समय इस शुल्क के प्रभाव पर विचार किया गया है।

(छ) विचारणीय उत्पाद, सदृश उत्पाद और भारतीय उद्योग 5 जांच के अंतर्गत आनेवाले उत्पाद थियोफाइलिन और कैफीन भारतीय सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की अनुसूची-I के शीर्ष 293950 और 293930 के अन्तर्गत आते हैं।

6. याचिकाकर्ता ने निष्चयपूर्वक कहा है कि थियोफिलोन का आयात उक्त सीमाशुल्क कोड के अलावा सीमाशुल्क कोड 293900, 29500, 294200 तथा 293359 और कैफीन का कोड 293400 के तहत भी किया जा रहा है।

(च) भारतीय उद्योग 7. याचिका निम्नलिखित कंपनियों के लिए और उनकी ओर से बाहर की गई है:

(क) मैमर्स ब्राकुल एरोमेटिक्स एन्ड केमिकल्स लि., बम्बई

(ख) मैमर्स कोर (इंडिया) लि. बम्बई

(ग) मैमर्स सुवेत फार्मास्यूटिकल्स लि., हैदराबाद

8. थियोफिलोन का उत्पादन मैमर्स जर्मन रेमंडीज लि. बम्बई द्वारा भी किया जाता है। याचिकाकर्ताओं ने यह भी

बताया है कि मैसर्स येनके मेडिको ड्रग्स प्रा. लि. हैदराबाद तथा मैसर्स टैनर्ज/फार्मा प्रा. लि. भी इसका उत्पादन करते थे लेकिन अब डम्पिंग की वजह से उन्होंने उत्पादन बंद कर दिया है। याचिकाकर्ता का भारत में थियोफाईलीन और कैफीन के उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान है और इसलिए सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प वस्तुओं पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क के अभिज्ञान निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण हेतु) नियम, 1985 के नियम 2(ग) के अनुसार घरेलू उद्योग बन जाता है।

छ. सामान्य कीमत 9. याचिकाकर्ता ने न तो चीन में थियोफिलीन और कैफीन की घरेलू कीमतों के बारे में सूचना दी है न किसी अन्य तीसरे देश का निर्यात करते समय इस उत्पाद की तुलनात्मक कीमत का ब्यौरा दिया है। चूंकि चीन की खुली अर्थ-व्यवस्था नहीं है इसलिए यह सुझाव है कि सामान्य कीमत उत्पादन लागत के अनुसार ही निर्धारित करने के लिए विचार किया जाये। याचिकाकर्ता ने सूचना की गैर-उपलब्धता का जिक्र करते हुए चीन में उत्पादन की लागत का ब्यौरा नहीं दिया है। जिन निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी गयी थी उनमें से किसी एक ने भी उसका सही जवाब नहीं दिया है। चूंकि चीन की उत्पादन लागत का ब्यौरा उपलब्ध नहीं है और निर्यातकों को भेजी गयी प्रश्नावली के जवाब में किसी के द्वारा सूचना नहीं भेजी गयी है, इसलिए पदनामित प्राधिकारी ने यह निर्णय किया है कि वह चीन में थियोफिलीन एवं कैफीन की उत्पादन लागत के बारे में भारत में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर सामान्य लागत तय करेगा। सामान्य लागत का निर्धारण एक्स फैक्ट्री स्तर पर लिया गया है।

ज. निर्यात मूल्य — 10. चूंकि किसी निर्यातक ने प्राधिकारी के प्रासंगिक सूचना उपलब्ध कराने के अनुरोध का जवाब नहीं दिया है इसलिए निर्यात का मूल्य डी जी सी आई एस, कलकत्ता द्वारा सीमा शुल्क निकासी के प्रयोजन से रखे आंकड़ों के अनुसार आयातकों द्वारा दी गयी सूचना के आधार पर परिकल्पित औसत मूल्य के आधार पर निर्धारित की गयी है। निर्यात मूल्य की तुलना याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किये गये आंकड़ों के साथ की गई और इन्हें डी जी सी आई एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के लगभग बराबर पाया गया है। एफ ओ बी मूल्य निकालने हेतु बीमा एवं भाड़े के लिए सी आई एफ निर्यात मूल्य का समायोजन किया गया है। चीन की अंतर्देशीय परिवहन लागत के आंकड़ों के अभाव में एफ ओ बी मूल्य को एक्स-फैक्ट्री कीमत मान लिया गया है।

झ. तुलना — 11. चीन जनवादी गणतंत्र के निर्यातकों को अपनी ओर से संगत सूचना उपलब्ध कराने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए लेकिन उनसे कोई जवाब न मिलने की वजह से प्राधिकारी ने सामान्य कीमत एवं निर्यात मूल्य के बीच उचित तुलना करने के उद्देश्य से और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9(क)(2) तथा उसके नियम 14 के अनुसार अपने पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के

आधार पर कार्यवाई की। जांच पड़ताल की अवधि के दौरान प्राप्त औसत निर्यात कीमत की तुलना सामान्य मूल्य के साथ की गई है।

ब. डम्पिंग मार्जिन 12. जैसा कि ऊपर बताया गया है (एक्स-फैक्ट्री स्तर पर) निर्धारित सामान्य कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान पाये गये औसत एफ ओ बी मूल्य के साथ की गई है। पदनामित प्राधिकारी ने डम्पिंग मार्जिन थियोफिलीन और कैफीन के आयात की औसत सी आई एफ कीमत का क्रमशः 63.4% तथा 74.55% निर्धारित किया है।

ट. क्षति 13. उपरोक्त नियम 18 के अधीन जांच के आधार पर जब क्षति के बारे में कोई निष्कर्ष निकाला जाता है तो “ऐसे निष्कर्ष में ऐसे तथ्यों की जांच शामिल होती है जिन्हें पदनामित प्राधिकारी परिस्थिति के अनुसार संगत समझता है। उक्त तथ्यों में डम्प किये गये आयातित माल की मात्रा तथा इससे घरेलू बाजार में सदृश उत्पादों पर पड़ने वाले प्रभाव एवं ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादों पर उक्त आयात के परिणामी प्रभाव शामिल होंगे”। डम्प किये गए आयात से मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करना आवश्यक है कि क्या डम्प किए गए आयात में भारत में किसी सदृश उत्पाद के मूल्यों की तुलना में मूल्यों में पर्याप्त गिरावट आयी है अथवा क्या कीमतों को किसी विशेष स्तर तक घटाने अथवा किसी विशेष स्तर तक कीमत वृद्धि, जो कि अन्यथा हुई होती, को रोकने के लिए इस प्रकार के आयात का प्रभाव पड़ा।

14. भारत में उद्योग पर इसके प्रभाव की जांच करने के लिए पदनामित प्राधिकारी ने उन पहलुओं पर विचार किया जो उद्योग की स्थिति को प्रभावित करते हैं जैसे उत्पादन रुख, क्षमता उपयोग, बिक्रियां, स्टॉक, लाभ कारिता और निवल बिक्री आय।

ठ. आयात-प्रवृत्ति—15. यह पाया गया है कि चीन जनवादी गणराज्य में थियोफिलीन का आयात 1992-93 के 3 मी. टन से बढ़कर 1993-94 में 57.4 मी. टन हो गया। औसत आयात की वर्ष 1993-94 में प्रतिमाह लगभग 4.78 प्रति मी. टन में तेजी से बढ़कर अप्रैल से जून, 1994 के दौरान औसत 9.7 मी. टन प्रति माह के हिसाब से हुआ। इस प्रकार यह आयात 29 मी. टन में अधिक हुआ। चीन से आयातित थियोफिलीन का मूल्य वर्ष 1992-93 में औसत 208 रु. प्रति कि.ग्रा. में सीधे घटकर वर्ष 1993-94 में 177.32 रु. प्रति कि.ग्रा. रह गया और अप्रैल, 1994 से जून 1994 के दौरान और भी घटकर 169.50 रु. प्रति कि.ग्रा. रह गया। जनवरी, 1994 से जून, 1994 (जांच-अवधि) के दौरान यह 170.52 रु. प्रति कि.ग्रा. था।

16. जहां तक कैफीन का संबंध है चीन जनवादी गणराज्य से इसका आयात भी वर्ष 1992-93 में 0.87 एम टी की तुलना में बढ़कर वर्ष 1993-94 में 21 एम टी

हो गया। चीन से कैफीन का औसत आयात जो वर्ष 1993-94 में लगभग 1.78 एम टी था, अप्रैल, 1994 से जून, 1994 के दौरान जब कुल आयात 13 एम टी का हुआ, इसमें औसत वृद्धि 4 एम टी से अधिक की हुई। कैफीन की आयात कीमतें भी तेजी से गिरी हैं और औसतन 541 रु. प्रति कि.ग्रा. (92-93) में घटकर वर्ष 1993-94 में 184 रु. प्रति कि.ग्रा. रह गई।

इ. उत्पादन की प्रवृत्ति :—17. घरेलू उद्योग की थियोफिलीन का उत्पादन 150 एम टी (1992-93) से बढ़कर 164.84 एम टी (93-94) हो गया। किन्तु, उत्पादन में दिसम्बर 93 के बाद में गिरावट आई है और वर्ष 1994 के पहले 6 महीनों के दौरान 55.4 एम टी का उत्पादन हुआ।

18. कैफीन का उत्पादन भी 84 एम टी (92-93) से बढ़कर 128.4 एम टी (93-94) हो गया। किन्तु, इसमें भी दिसम्बर 1993 के बाद में गिरावट आई है और वर्ष 1994 के पहले 6 महीनों के दौरान 59.2 एम टी का उत्पादन हुआ जिसमें निर्यात के उद्देश्य के लिए हुआ उत्पादन भी शामिल है।

ड. बिक्री की प्रवृत्ति :—19. थियोफिलीन के लिए घरेलू उद्योग भी स्वदेशी बिक्री 147 एम टी (92-93) से बढ़कर 149.4 एम टी (93-94) हो गई और दिसम्बर, 1993 के बाद से इसमें गिरावट आई। वर्ष 1994 के पहले 6 महीनों के दौरान उक्त बिक्री घटकर 43.1 एम टी रह गई।

20. जहां तक कैफीन का संबंध है, इसकी बिक्री 77.2 एम टी (92-93) से बढ़कर 110.7 एम टी (93-94) हो गई। किन्तु, दिसम्बर, 93 में कैफीन की बिक्री में भी कमी आई जो 1994 के पहले 6 महीनों में 43.1 एम टी की हुई।

ण. कीमत प्रवृत्ति :—21. थियोफिलीन की बिक्री कीमत औपधि कीमत नियंत्रण आदेश के तहत 399 रु. प्रति कि.ग्रा. निर्धारित की गई है। घरेलू उद्योग डी पी सी ओ कीमत पर बेचने में समर्थ नहीं है क्योंकि ऐसा करने से उसे अपूरणीय क्षति होती है। जनवरी, 1994 के बाद से 387.45 रु. प्रति कि.ग्रा. के हिसाब में वसूली की गई है। कैफीन की भी औसत बिक्री वसूली वर्ष 1993-94 में 408 रु. प्रति कि.ग्रा. से घटकर जनवरी-जून, 1994 में 400.70 रु. प्रति कि.ग्रा. रह गई।

न. स्टॉक की प्रवृत्ति :—22. थियोफिलीन का स्टॉक 11.00 एम टी (92-93) से बढ़कर 11.44 एम टी (93-94) हो गया। किन्तु जून, 1994 में यह घटकर 6.4 एम टी रह गया। क्योंकि जनवरी 94 से बिक्री में गिरावट को वजह से उत्पादन कम हुआ।

23. कैफीन के संबंध में 1993-94 में स्टॉक बढ़कर 10.41 एम टी हो गया जबकि 1992-93 में 2.90 एम टी का कैफीन स्टॉक भी जून 1994 में घटकर 3.2 एम टी का रह गया। ऐसा प्रत्यक्षतः कम उत्पादन के कारण हुआ।

थ. लाभकारिता की प्रवृत्ति :—24. थियोफिलीन और कैफीन के घरेलू उद्योग को घाटा हो रहा है। यह घाटा वर्ष 1992-93 में 50.4 लाख था जो वर्ष 1993-94 में बढ़कर 83.3 लाख हो गया।

द. बाजार-हिस्सा :—25. याचिकादाता-कंपनियों का बाजार-हिस्सा थियोफिलीन के लिए वर्ष 1992-93 में 91% से बहुत अधिक गिर कर जनवरी-जून, 94 में 63% रह गया और इसी अवधि के दौरान कैफीन के संबंध में 98.85% से घटकर 74.18% रह गया। याचिकादाता कंपनियां उत्पाद नहीं बेच पाई, इसलिए उत्पादन और साथ ही क्षमता-उपयोग में काफी कमी आई। इसके साथ-साथ बिक्री कीमतों में भी गिरावट आई।

अतः उद्योग को वास्तविक घाटा उठाना पड़ रहा है।

ध. कारक-संबंध :—26. क्या डम्प किये गये आयात से भारतीय उद्योग को वास्तविक हानि हुई है, यह निर्धारण करने समय प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखा :—

1. इन उत्पादों के आयात में तेजी से वृद्धि हुई है।
2. दोनों उत्पादों की आयात-कीमत में तीव्र-गिरावट आई।
3. इन निर्यातकों द्वारा कीमतें सामान्य मूल्य से भी कम कर दिए जाने से घरेलू उद्योगों को अपना उत्पादन कम करना पड़ा और कीमतें अपना उत्पादन-लागत से भी कम करनी पड़ी, ताकि वे अपना उत्पाद बेच सकें।

न. भारतीय-उद्योग का हित :—27(क) पाटन-रोधी शुल्क का उद्देश्य यह है कि सामान्यतः उस डम्पिंग को समाप्त किया जा सके जिससे भारतीय उद्योग को हानि पहुंच रही है तथा भारतीय बाजार में फिर से खुली और निष्पक्ष प्रतियोगिता की स्थिति लाई जा सके, जो कि देश के आम हित में है।

(ख) प्राधिकारी ने इस बात को स्वीकार किया है कि पाटन-रोधी शुल्क लगाने से थियोफिलीन एवं कैफीन से विनिर्मित और निर्यातित उत्पादों के कीमत-स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है और फलस्वरूप निर्यात बाजार में उनके उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर भी असर पड़ सकता है। लेकिन ऐसी संभावना नहीं है कि पाटन-रोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतियोगिता कम हो जाएगी। विशेष रूप से तब जब पाटन-रोधी शुल्क उतनी ही धन-राशि तक सीमित हो जितना क्षतिपूर्ति के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, डम्पिंग तरीकों द्वारा प्राप्त किए गये अनुचित लाभों को इस तरह से समाप्त किया जाए जिससे भारतीय उद्योग

के हानि को रोका जा सके और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए खर्च का व्यापक विकल्प उपलब्ध रहे।

(च) जांच-परिणाम:—28.(क) तदनुसार प्राधिकारी इस नतीजे पर पहुंचा कि:

1. चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातकों ने भारत में थियोफिलीन और कैफीन सामान्य मूल्य से कम पर बेचा।
2. भारतीय उद्योग को वास्तविक हानि हुई।
3. इस आयात से भारतीय उद्योग को वास्तविक हानि हुई है।

(ख) प्राधिकारी का विचार है कि मौजूदा मामले में पाटन-रोधी उपायों से डंपिंग के हानिकारक प्रभावों को दूर करके निष्पक्ष प्रतियोगिता को पुनः स्थापित किया जा सकेगा।

(ग) प्राधिकारी पाटन-रोधी शुल्क का प्रावधान लागू करना आवश्यक समझता है, ताकि घरेलू उद्योग को होने वाली वास्तविक हानि को दूर किया जा सके। इस मामले में पदनामित प्राधिकारी ने निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य तथा डंपिंग मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया है:

	अमरीकी डॉलर प्रति किग्रा.	थियोफिलीन	कैफीन
सामान्य मूल्य	8.34	9.71	
निर्यात कीमत	4.91	5.35	
डंपिंग मार्जिन	3.43	4.36	

(घ) पदनामित प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या डंपिंग-मार्जिन से कम शुल्क लगाना हानि को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य से चीन से आयातों की औसत उतराई कीमत की तुलना जांच-अर्वाधि के दौरान उत्पादित थियोफिलीन (डी पी बी ओ) तथा कैफीन की उचित बिक्री कीमत से की गई। यह विचार करते हुए कि कैफीन के मामले में हानि दूर करने के लिए अपेक्षाकृत कम शुल्क लगाना ही पर्याप्त होगा और चूंकि थियोफिलीन के मामले में डंपिंग-मार्जिन हानि-मार्जिन से कम है इसलिए प्राधिकारी का विचार है कि थियोफिलीन के आयात के मामले में सीमाशुल्क कोड एस 293950 के तहत रु. 108 प्रति किग्रा. की दर से तथा कैफीन के मामले में सीमा शुल्क कोड 293930 या किसी अन्य कोड के तहत रु. 101—किग्रा. की दर से प्रति-पाटन शुल्क लगाया जाए।

(ङ) यह शुल्क चीन जनवादी गणराज्य के अन्य किसी ऐसे निर्यातक पर भी लागू होगा जो मौजूदा कार्रवाई में एक पक्ष नहीं है।

(च) सम्बन्धित पक्ष/निर्यातक इस प्रारंभिक जांच-परिणाम पर अपने विचार इसके प्रकाशन के एक माह के भीतर

अभ्यक्त कर सकते हैं और प्राधिकारी के समक्ष मौखिक बुनवाई के लिए अनुबंध कर सकते हैं।

जे.के. बागची, पदनामित प्राधिकारी  
तथा अपर सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE

### NOTIFICATION

New Delhi, the 31st January, 1995

#### Preliminary Findings

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Theophylline and Caffeine originating from People's Republic of China—Preliminary findings.

No. ADD/24/94-95.—B. The Government of India.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1982 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and collection of Duty or Additional duty on dumped articles and for determination of Injury) Rules, 1985.

C. Procedure.—(i) Whereas the Designated Authority, under the above Rules, received a written complaint from the following domestic producers alleging dumping of Theophylline and Caffeine originating from the People's Republic of China :—

- (a) M/s. Bakul Aromatics and Chemicals Ltd.,  
Sterling Centre, 4th Floor,  
16/2, Dr. Annie Besant Road,  
Worli, Bombay-400 018.
- (b) M/s. Kores (India) Ltd.,  
Kores House, Plot No.10,  
Off. Dr. E. Moses Road,  
Worli, Bombay-400 018.
- (c) M/s. Suven Pharmaceuticals Pvt. Ltd.,  
Natco House, H. No. 8-2-120/112/A/132  
Road No. 2, Banjara Hills,  
Hyderabad-500 034

(ii) Whereas the Designated Authority issued a Public Notice dated 30-08-1994 published in the Gazette of India on 12-9-94, initiating anti dumping proceedings concerning imports of Theophylline falling under Code 293950 and Caffeine under 293930 of Schedule I of Indian Customs Tariff Act 1975 from the People's Republic of China. The petitioner has stated that Theophylline has been imported under Custom Codes nos. 2939.00, 2950.00, 2942.00 and 2933.59 also and Caffeine has been imported under Custom Code 2934.00 also.

(iii) Whereas the Designated Authority informed the exporters and importers known to be concern-

ed, the representatives of the exporting country and the complainants about the said initiation and gave them an opportunity to make their views known in writing and to request an oral hearing, latest by 30th September 1994. The last date for responding to the questionnaire was unilaterally extended upto 15th October, 1994;

(v) Whereas the Designated Authority addressed a questionnaire to elicit relevant information from the following exporters:

1. M/s. Wuhan Medicines and Health Products, China.
2. M/s. Hunan Provincial Medicines, China.
3. M/s. Tianjin Medicines and Health Products, China.
4. M/s. Jiangsu Medicines and Health, China.
5. M/s. Shanghai Chemicals Imports and Export Corporation, China.
6. China National Chemicals Import/Export Corporation, China.
7. Qingdao National Chemicals, Medicines & Health Products Importer, China.

(v) Whereas the Embassy of the People's Republic of China in New Delhi was also informed about the said initiation and was requested to advise the exporters/producers from the People's Republic of China to respond to the questionnaire latest by 10th October 1994. Detailed information about the three Indian petitioners, Chinese exporters and the Indian anti-dumping laws and procedures was also made available to the Embassy of the People's Republic of China as desired by them. The exporters neither responded to the questionnaire nor attended the public hearing held on 2nd December, 1994.

(vi) Whereas the questionnaire was also sent to the following importers of Theophylline and/or Caffeine :—

1. M/s. Anand Synthochem Pvt. Ltd., Bombay
2. M/s. Bajaj Pharmaceuticals, Thane.
3. M/s. Bakul Aromatics & Chemicals Ltd., Bombay.
4. M/s. Crustal Pharmaceuticals, Calcutta.
5. M/s. Crystal Pharma, Bombay.
6. M/s. Dilip Kumar and Co., Bombay.
7. M/s. F.C.D. Limited, Bombay.
8. M/s. Medi Pharma Drugs House, Bombay.
9. M/s. Mehta Pharmaceuticals Industries, Bombay.
10. M/s. National Polymer, Bombay.
11. M/s. Nicholas Piramal (India) Ltd., Bombay.
12. M/s. Panchsheel International, Bombay.

13. M/s. Salvi Chemical Industries, Bombay.

14. M/s. S.K. Age, Bombay.

(vii) Whereas an opportunity was also given to exporters, importers and petitioners to express their view in a Public hearing held on 2nd December, 1994. The said public hearing was attended only by the representatives of the petitioners. None of the exporters/importers attended the said public hearing.

2. The petitioner highlighted that : (a) No representative of the exporter/exporting country i.e. the People's Republic of China was present at the hearing, nor did they respond to the questionnaire; and the Designated Authority should go by the facts/figures supplied by the petitioner.

(b) No representative of the importers/user industry attended the public hearing. The two written representations received were of Theophylline only and were from mainly the traders who were neither concerned in the well being of the manufacturer nor the actual user and therefore, the Designated Authority need not take cognisance of their views.

(c) The benefit of cheap Theophylline/Caffeine from People's Republic of China has never been passed to the actual consumers of medicine as there was no reduction in DPCO price of the formulations based on these bulk drugs and that the actual beneficiaries have been the middleman.

(d) The export prices of Theophylline and Caffeine from People's Republic of China were falling and were below their normal value.

(e) The surge in imports from People's Republic of China at below their normal value consequent on removal of import restrictions has already resulted in suspension of production operations by two domestic units viz. M/s. Task Jay Pharma and M/s. Yenkey Medico and the domestic petitioner companies were compelled to reduce their activities in spite of substantial reduction in prices leading to huge losses.

3. No importer provided the information to the questionnaire sent alongwith the notice of the initiation nor attended the public hearing. However, M/s. Bajaj Pharmaceuticals (Bombay) Ltd., Bombay and Medi Pharma Drug House, Bombay (alongwith views of other two interested parties) have submitted their views in writing which are briefly as follows :

(a) Imported Theophylline price is less than the local market price and China reduced the prices of Theophylline, Caffeine and other intermediates

only for a specific period because of their dire need for foreign exchange.

(b) Indian manufacturer cannot meet the entire indigenous demand and have erratic delivery schedule of 50 to 60 days mainly due to non-availability of sodium metal from local manufacturers and import of main raw material timely.

(c) Indian manufacturers are not giving any credit facility and are charging special processing charges over and above DPCO prices whereas the foreign suppliers extended three months credit facility.

(d) That one of the petitioners has purchased the material from one of the importers.

(e) That indigenous manufacturers are supplying IP quality material whereas BP 88 or USP XXII quality is required for export purposes.

(f) That import duty on dimethylurea, an intermediate has decreased from 132% to 81.2% and that of the theophylline from 122% to 82.6%.

#### D. Findings of the Designated Authority.—

4. The Designated Authority having considered the arguments and counterarguments highlighted above and having perused the relevant records, found that :

(a) During an anti dumping investigation, it is to be seen as to whether there is dumping which is causing injury to the domestic industry. One of the importers has averred that the price was reduced by China because of their foreign exchange needs, confirming the price reduction. Further, it was seen that the indigenous installed capacity was adequate to meet the demands in the country (as seen from consumption figures for 1993-94) and the statement that the Indian manufacturers cannot meet the entire indigenous demand was not substantiated. In any case, this is not relevant to the present situation.

(b) The petitioners have stated that none of the domestic manufacturers use sodium metal in the production of theophylline/caffeine and some of the petitioner companies are also manufacturing dimethyl urea indigenously though it is viewed that such factors are not relevant for establishing dumping and its impact on domestic industry.

(c) The credit facility extended by the Chinese exporters would infact increase the margin of dumping as the cost of credit has also to be deducted in arriving at the price at the factory gate. Non-extension of such facility by the Indian suppliers is not relevant in determining the dumping or injury.

(d) Purchase of theophylline by one of the petitioner companies from one of the trader who happen-

ed to be the importer does not disqualify the petitioner company for seeking anti dumping relief, under rule supra.

(e) Petitioners have stated that the Indian Drugs Act forbids labelling any production as BP88 or USP XXII for local sales as long as there is a monograph of the product in the Indian Pharmacopeia (IP). Further, all the three provide the same quality and that the petitioners themselves are exporting the material to developed countries. It is, however, found that the products being imported and that being produced are like products under the anti dumping rules supra.

(f) Regarding reduction in Custom duty, on the intermediate dimethylurea, the impact of such duty has been considered while deciding the extent of injury.

E. Product under consideration, like product and Indian industry. 5. The products covered by the investigation are Theophylline and Caffeine falling under headings 293950 and 293930 of Schedule I of Indian Customs Tariff Act, 1975.

6. The petitioner has contended that Theophylline is also being imported under custom code 293900, 295000, 294200 and 293359 and caffeine under codee 293400 in addition to above custom code.

F. Indian Industry.—7. The petition has been filed for and on behalf of the following companies :

- (a) M/s. Bakul Aromatics and Chemicals Ltd., Bombay.
- (b) M/s. Kores (India) Ltd., Bombay.
- (c) M/s. Suven Pharmaceuticals Pvt. Ltd., Hyderabad.

8. Theophylline is also manufactured by M/s. German Remedies Ltd. Bombay. Petitioners have also stated that M/s. Yenkey Medico Drugs Pvt. Ltd. Hyderabad and M/s. Tan Jay Pharma Pvt. Ltd. were also engaged in producing the product but have since discontinued the production due to dumping. The petitioner accounts for a majority of Theophylline and Caffeine production in India and hence constitute domestic industry in accordance with Rule 2(c) of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1985

G. Normal Value.—9. The petitioners have not furnished information on domestic prices of Theophylline and Caffeine in China nor have they furnished comparable price of the product when exported to any other third country, as China is a closed economy and hence suggested that constructed cost of production may be considered for determining normal



value. The petitioners have not furnished details of cost of production in China pleading non availability of information. None of the exporters furnished factual information in response to the questionnaire sent to them. As details of cost of production in China are also not available and as none of the exporters have furnished information in response to the questionnaire sent to them, the Designated Authority has decided to determine, the normal value on the basis of best available information in India about the cost of production of Theophylline and caffeine in China. The normal value has been determined at the ex-factory level.

H. Export Price.—10. Since none of the exporters have responded to the Authority's request to make available the relevant information, the export price has been determined on the basis of the weighted average price reported by the importers for the purpose of custom clearances, as maintained by DGCIS, Calcutta. The export price has also been correlated with the data submitted by the petitioner and found by and large matching with DGCIS published data. The CIF export price has been adjusted for insurance and freight for working out the F.O.B. price. The FOB price has been treated as ex-Factory price in the absence of data on the cost of inland transportation in China.

I. Comparison.—11. For the purpose of a fair comparison between the normal value and export price and in accordance with Section 9(A)(2) of the Customs Tariff Act and Rule 14 supra, the Authority took into account the best available information with it in the absence of any response from the exporters in Peoples Republic of China, who were given ample opportunity to make available the relevant information from their end. The average export price obtained during the period of investigation has been compared with Normal price.

J. Dumping Margin.—12. The Normal value (at ex-factory level) determined as explained above has been compared with the average FOB price during the period of investigation. The Designated Authority has found dumping margin at 63.4% and 74.55% of the average CIF value of the imports of theophylline and caffeine respectively.

K. Injury — 13. Under Rule 18 supra, when a finding of injury is arrived at, "such finding shall involve an examination of facts which the Designated Authority considers relevant under the circumstances including the volume of dumped imports and their effect on prices in the domestic market for like products and the consequent impact of such imports on domestic producers of such products". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered

necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of an identical product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

14. For the examination of the impact on the industry in India, the Designated Authority considered such indices having a bearing on the state of industry as production trend, capacity utilisation, sales, stock, profitability and net sales realisation.

L. Trend of Imports.—15. It is found that import of Theophylline from Peoples Republic of China have increased from 3 MT in 1992-93 to 57.4 MT in 1993-94. The average import has further steeply increased from around 4.78 MT per month in 1993-94 to 9.7 MT per month on an average during April to June 1994 with an import of over 29 MT. The price of the Theophylline from China has shown a marked decline from an average of Rs. 208 per kg. in 1992-93 to Rs. 177.32 per kg. in 1993-94 and has further decreased to Rs. 169.50 per kg. during April 1994 to June 1994 and was Rs. 170.52 per kg. during January 94 to June 94 (period of investigation).

16. Regarding Caffeine the import from Peoples Republic of China has also increased from 0.87 MT in 1992-93 to 21 MT in 1993-94. The average import of Caffeine from China which was about 1.78 MT in 1993-94 has further increased on an average of more than 4 MT during April 1994 to June 1994 when total imports were of the order of 13 MT. The import prices of the Caffeine have also steeply declined from an average of Rs. 541 per kg. (92-93) to Rs. 184 per kg. in 1993-94.

M. Production Trend.—17. Production of Theophylline of the domestic industry has increased from 150 MT (1992-93) to 164.84 MT (93-94). However, the production has declined from December 93 onwards and production during the first six months of 1994 was 55.4 MT.

18. Production of Caffeine also increased from 84 MT (92-93) to 128.4 MT (93-94). However, it has also declined from December 1993 onwards and production during the first six months of 1994 is 59.2 MT including production for export purposes.

N. Sales Trend.—19. The indigenous sale of domestic industry for Theophylline increased from 147 MT (92-93) to 149.4 MT (93-94) and has declined from December 1993 onwards. Sale in the first six months of 1994 has declined to 50.2 MT.

20. As regards Caffeine the sale increased from 77.2 MT (92-93) to 110.7 MT (93-94). However, sale of Caffeine too declined from December 93 onwards and was 43.1 MT in the first six months of 1994.

O. Price Trend—21. Selling price of Theophylline is fixed at Rs. 399 per kg. under Drug Price Control Order. The domestic industry is not able to sell at the DPCO price, forcing it to irreparable losses. The realisation was Rs. 387.45 per Kg. from January 1994 onwards. Average sales realisation of caffeine too has decreased from Rs. 408 per kg. in 1993-94 to Rs. 400.70 per kg. during Jan-June 1994.

P. Stock Trend :— 22. Stock of Theophylline increased to 11.44 MT (93-94) from 11.0 MT (92-93). However, the same has declined to 6.4 MT in June 94, apparently because of lower production from January 94 onwards in view of declining sales.

23. As regards Caffeine the Stock shot-up to 10.41 MT in 1993-94 from 2.90 MT in 1992-93. Stock of Caffeine too declined to 3.2 MT in June 94 apparently because of lower production.

Q. Profitability Trend :— 24. The domestic industry of Theophylline and Caffeine is suffering losses which have increased from 50.4 lakhs (92-93) to 83.3 lakhs (93-94).

R. Market Share :— 25. The market share of petitioner companies has steeply reduced from 91% (92-93) to 63% (Jan to June 94) in respect of theophylline and from 98.85% to 74.18% in respect of caffeine during the corresponding period. The petitioner companies were unable to market the products and therefore the production as well as capacity utilisation has decreased substantially coupled with decrease in sales price.

Thus, the industry has been suffering material injury.

S. Causal Link :— 26. In determining whether material injury to Indian industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts :

- (i) Imports of the products have increased steeply
- (ii) There was steep decrease in import price of both the products.
- (iii) Price undercutting by these exporter below normal value forced the domestic industry to reduce its production and price to a level below its cost of production to market its product.

T. Indian Industry's Interest—27. (a) The purpose of anti dumping duties is in general to eliminate dumping which is causing injury to the Indian industry and to reestablish the situation of open and fair competition on the Indian market which is in the general interest of the country.

(b) The Authority recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured out of Theophylline and Caffeine and exported and consequently might have some influence on relative competitiveness of their products in the export market. However, it is not envisaged that fair competition, on the Indian market will be reduced by the anti dumping measures particularly if the levy of the anti dumping duty is limited to the amount necessary to redress the injury. on the contrary, the removal of the unfair advantages gained by dumping practices is designed to prevent the decline of the Indian industry and thus to help maintain the availability of the widest choice to the consumers.

U. Findings :—28. (a) The Authority accordingly has come to the conclusion that

(i) exporter from People's Republic of China have sold theophylline and caffeine in India below normal value ;

(ii) The Indian industry has suffered material injury ;

(iii) that the imports caused material injury to Indian industry

(b) The Authority consider that the imposition of anti dumping measures in the present case will re-establish fair competition by eliminating the injurious effect of dumping practices ;

(c) The Authority considers it necessary to impose a provisional anti dumping duty in order to remove the material injury to the domestic industry. The export price, normal value and the margin of dumping in the case were determined by the Designated Authority as :

	USD per kg. Theophylline Caffeine	
Normal Value	8.34	9.71
Export Price	4.91	5.35
Margin of dumping	3.43	4.36
Dumping Margin as % of cif price	63.37%	74.55%

(d) The Designated Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be enough to remove the injury. For this purpose, the average landed price of Chinese imports were compared with the fair selling price of theophylline (DPCO) and caffeine produced during the period of investigation.

Considering that lower duty may be sufficient to remove injury in case of caffeine and as dumping margin was lower than injury margin in case of Theophylline, Authority considers that an anti dumping duty of Rs. 108 (Rupees one hundred and eight) per kg. be imposed on imports of Theophylline under Custom Code 293950 or under any other code and Rs. 101 (Rupees one hundred and one) per kg. in case of Caffeine under Customs Code 293930, or under any other code.

(c) This duty would also be applicable to a new or any other exporter from the Peoples Republic of China who was not a party at the present proceedings.

(f) The parties/exporters concerned may make known their views on this preliminary findings and apply to be heard orally by the Authority within one month of the publication of this finding.

J.K. Bagchi, Designated Authority and Addl. Secy.

